

Class 11th V Sem (Hons)

Topic Components of Health

Subject - DSE- 02 (Health Psychology)

By
Dr. Suhina Chatterjee

Components of Health :-

अनेक स्वास्थ्य व्यक्ति के संतुष्ट रखने सीख जीवन धारण के लिए आवश्यक हैं। किसी भी व्यक्ति को मानीसक तथा शारीरिक रूप से स्वास्थ्य रखने के प्रकारों पर पर्याप्त रूप से ज्ञान देना चाहिए,

1986 में, WHO ने स्वास्थ्य को परिभ्रान्ति करते हुए कहा कि " ~~स्वास्थ्य~~ स्वास्थ्य पूर्ण शारीरिक, मानीसक और सामाजिक, कल्याचा की अवस्था है और केवल बीमारी या दुर्बलता का अभाव नहीं है।"

स्वास्थ्य के प्रमुख दो प्रकार होते हैं शारीरिक तथा मानीसक स्वास्थ्य। इन दोनों स्वास्थ्य का एक मध्यवृत्त संबंध होता है, अगर किसी व्यक्ति में शारीरिक अस्थस्था पाई जाती है तो वह मानीसक रूप से कमज़ोर हो जाता है और अगर उसमें मानीसक अस्तुलन पाया जाता है तो व्यक्ति में कई शारीरिक रोग के लक्षण देखे जा सकते हैं जैसे (उच्च रक्त चाप, पद्धुमें आदि)।

NHO के शिक्षकों के द्वारा स्वास्थ्य से जुड़े प्रश्नपूर्ण प्रश्नों
पर विचार करके यह पामा के स्वास्थ्य के प्रमुख 6 घटक हैं
जो स्वस्थ भीवन जीने के लिए काफी मद्दत करते हैं, यह 6 प्रमुख
घटक इसप्रकार हैं।—

- 1) Physical (शारीरिक)
- 2) Emotional (सांकेतिक)
- 3) Social (सामाजिक)
- 4) Environmental (पर्यावरणीय)
- 5) Spiritual (आध्यात्मिक)
- 6) Mental/Cognitive (मानीसिक) / संज्ञातात्मक

इन सबका बर्णन इसप्रकार हैः—

1) Physical Component (शारीरिक घटक) ⇒ Physical component
का तार्थ छट्टम, मांसपेशियों, रक्त आदि के शामिल होने से होता
है जो किसी व्यक्ति के शारीरिक कृमाकूलों को सुचारा रूप से
कृमान्वयन करता है। शारीरिक घटक शरीर के संकुलन को बनाए
रखने में सक्षम होता है ताकि व्यक्ति अपने दैनचर्चा को अपने
बातचरण के भुजु़ुल बना सके, शारीरिक घटक के अन्तर्गत
पर्माणु भौजन, प्रतीक्षा व्यापार, संतुलित शारीरिक व्यवहार पर ध्यान
दिया जाता है, साथ ही साथ मदक पदार्थों जैसे व्हूपान,
मध्यपान आदि से परहेज किया जाता है ताकि व्यक्ति वीभारियों
से खुद से दूर रख सके।

2) Emotional component (सांकेतिक घटक) ⇒ Emotional component
का तार्थ व्यक्ति को अपने भावों, लंगों, खुख-दुख को
सकारात्मक तथा संगीठित रूप से व्यक्त करता है उससे उसका
शारीरिक तथा मानीसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

3) Social Component (सामाजिक घटक) ⇒ Social component के
अन्तर्गत परिवार, दील, सहकारियों, अपनीजीवों, इंटरनेट, सीशल
मीडिया, टेलीविजन तथा दो भावों से आदिक व्यक्तियों के
साथ सामाजिक संपर्क आदि संतुलित होता है, व्यक्ति का
मानीसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य दूसरों के साथ अच्छी तरह
से बातचीत, संवाद, कामों रखने के फलस्वरूप उत्पन्न होता
है।

इन सभी सामाजिक अन्तर्क्रिया के कलष्टरूप जीत, में अकेलापन, अलगाव, अवसाद, सामाजिक विंता की कमी देखी जाती है, इन सब के कलष्टरूप जीत पानीपक रूप से खुद को तरोताजा प्रश्नूल करता है जो शारीरिक व्याख्या के लिए भी लाभदायक होता है।

4) Environmental component \Rightarrow Environmental Component

के अन्तर्गत ताजी हवा, स्वच्छ पानी, भौजन, धर्मीन सब आता हैं जो जीत के से सारी जीत पुढ़ान करते हैं ताकि जीत इसका लाभ ले सके, इससे जीत अपने भरत के सभी अवश्यक सामग्रियों को ग्रहण करते हैं, अतः इस द्वेष में स्वच्छ रहने के लिए जीत को भौजन, पानी और शूम की रक्षा करनी चाहिए साथ ही साथ ऐसे विश्व के पर्यावरण जैसे जल, सिसाफीबंग पेपर, आदि का सही उपयोग करना चाहिए क्योंकि यह बीमारी के रोकने तथा स्वास्थ्य सहायक होते हैं,

5) Spiritual component \Rightarrow Spiritual Component जीवन

में आध्यात्मिक दृष्टा उत्सव करता है, आध्यात्मिकता की पारमाण्डा भूमि-भूमि लोगों के लिए अलग-अलग होता है, यह ज्यादातर जीतवात होता है, इसके अन्तर्गत अपने धर्म का समान, मंदिर, मीराबाई, चर्च आदि का दर्शन, धर्म गुंबदों का स्मरण आदि सीमालत होता है जो जीत को मानीपक शांति पुढ़ान करता है।

6) Mental / Cognitive Component \Rightarrow Cognitive Component

का तात्पर्य जीत द्वारा वातीवक्ता के समना करते हुए उसके सभी उपायों की कोशिश करना ताकि जीत प्राप्तिदान आने वाले दुर्लक्षितों का समना कर सके, इसके अन्तर्गत स्पष्ट रूप से सीचना, समझना, मादृ रखना आदि सीमालत होता है, यह मानीपक व्याख्या का एक प्रमुख घटक (Component) है।

अतः स्पष्ट है कि व्याख्या के कुल 6 घटक काफी महत्वपूर्ण हैं शारीरिक और मानीपक उत्तरण बनाए रखने में।